YOUNG INDIA > YOUNG PAPER

NBT

नवभारत टाइम्स

नोएडा > गुरुवार, 8 अक्टूबर 2020 > आश्विन 16 शक संवत 1942 आश्विन कृष्ण षष्ठी विक्रम संवत 2077 www.navbharatgold.com पेज 16*> मूल्य 3.00 या 7.00* रुपये द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित www.nbt.in

रनवे नंबर 1 से 2024 में शुरू होगी उड़ान

जेवर के हवाई अड्डे पर नहीं होगा कार्बन का उत्सर्जन, डिजिटल सुविधाओं से होगा लैस

Shyam.Vir
@timesgroup.com

■ **ग्रेनो : जेवर में** बनने वाले एयरपोर्ट से 2024 में एक रनवे से जहाज उड़ान भरने लगेंगे। यह हवाई अड्डा पर्यावरण का दोस्त होगा। यह पूरी तरह डिजिटल रूप में संचालित होगा। डिजिटल सुविधाएं होंगी। सुरक्षा और कॉन्टैक्ट लेस यात्रा की सुविधा मिलेगी। इसे बनाने के लिए यमुना अथॉरिटी के दफ्तर में बुधवार को ज्यूरिख इंटरनैशनल एजी और नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) के बीच कंसेशन अग्रीमेंट हो गया। इस करार पर हस्ताक्षर होने के साथ ही ज्यूरिख को एयरपोर्ट बनाने का अधिकार मिल गया।

जेवर का एयरपोर्ट अपनी श्रेणी का पहला नेट जीरो एमिशन एयरपोर्ट बनेगा। इसमें कार्बन उत्सर्जन नहीं होगा। इससे पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचेगा। असल में साल 2015 में पेरिस में जलवायु समझौता हुआ था। उसमें 2050 को लक्ष्य बनाते हुए जीवाश्म ईंधन की वजह से हो रहे कार्बन उत्सर्जन को कम करना है। अधिकारियों ने कहा है कि इस श्रेणी में ये एयरपोर्ट एविएशन के क्षेत्र में नए मापदंड स्थापित करेगा।

देश में और अवसर देख रही स्विस कंपनी

करार पर हस्ताक्षर के दौरान ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनैशनल एशिया के सीईओ डेनियल बर्चर ने कहा कि कंसेशन अग्रीमेंट पर हस्ताक्षर एयरपोर्ट के विकास में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। साल 2024 में इसके पहले चरण का काम पूरा कर दिया जाएगा। एक रनवे के साथ 12 मिलियन यात्रियों की क्षमता के साथ उड़ान शुरू की जाएंगी। यूपी व केंद्र सरकार के साथ साझेदारी में ज्यूरिख इस एयरपोर्ट को भारतीय वायु परिवहन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाएगा। यात्रियों और लॉजिस्टिक के लिए बेहतरीन सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही उन्हें उम्मीद है कि इस एयरपोर्ट के निर्माण के साथ ही उन्हें भारत के एविएशन उद्योग के विकास में निवेश और भाग लेने के अवसर मिलेंगे।

जेवर में एयरपोर्ट बनाने के लिए ज्यूरिख इंटरनैशनल और नियाल के बीच बुधवार को कंसेशन अग्रीमेंट हुआ

कनेक्टिविटी के लिए तैयार होगा प्रस्ताव

एयरपोर्ट निर्माण का रास्ता साफ होने के साथ ही यहां अन्य विश्व स्तरीय सुविधाएं भी शुरू होंगी। अब इन पर काम शुरू किया जाएगा। जेवर में प्रस्तावित एयरपोर्ट से दिल्ली 70, नोएडा 40 और आगरा 130 किलोमीटर की दूरी पर है। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से गुड़गांव और फरीदाबाद को कनेक्ट किया जाएगा। मेट्रो, पीआरटी और बुलेट ट्रेन (दिल्ली से वाराणसी) से भी कनेक्टिविटी होगी। पलवल-खुर्जा एक्सप्रेसवे और इसके साथ ही 100 मीटर की पैरलल सड़क भी बनेगी।

'हर मंडल में एयरपोर्ट की तैयारी'

■ **विस, ग्रेनो :** प्रदेश सरकार हर मंडल में कम से कम एक एयरपोर्ट बनवाने की तैयारी में है। इसके लिए एविएशन सेक्टर पर फोकस बढ़ाया गया है। अयोध्या और मेरठ समेत कई शहरों में एयरपोर्ट के लिए जमीन खरीदी जा रही है। नागरिक उड्डयन विभाग के डायरेक्टर सुरेंद्र सिंह ने कहा है कि लखनऊ, वाराणसी, कानपुर, गोरखपुर, आगरा, प्रयागराज व गाजियाबाद के हिंडन से एयरपोर्ट संचालित हैं। कुशीनगर को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का दर्जा मिल चुका है। इसी महीने यहां से श्रीलंका के लिए उड़ान शुरू हो जाएंगी। मेरठ, अलीगढ़, आजमगढ़, मुरादाबाद, श्रावस्ती, चित्रकूट, ललितपुर, झांसी, सोनभद्र, सहारनपुर, झांसी, गाजीपुर, बरेली आदि में एयरपोर्ट बनाए जाएंगे। अयोध्या में एयरपोर्ट के लिए 200 एकड़ और मेरठ में 26 हेक्टेयर जमीन खरीदी गई है। झांसी एयरपोर्ट के लिए सैद्धांतिक सहमति मिल गई है।

2021 में एयरपोर्ट का निर्माण कार्य शुरू होगा

कोरोना की वजह से हुई देर, अब तक शुरू हो जाता काम

■ **विस, ग्रेनो :** अगर कोरोना संक्रमण नहीं होता तो अब तक जेवर एयरपोर्ट परियोजना पर काम शुरू हो जाता। ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनैशनल एशिया के सीईओ डेनियल बर्चर ने समारोह के दौरान ऑनलाइन बातचीत में कहा है कि कोरोना वायरस संक्रमण के कारण करार की प्रक्रिया पूरी करने में 6 महीने का ज्यादा वक्त लग गया। तैयारी है कि 2021 की शुरुआत में इसका निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाए। ज्यूरिख के अधिकारियों की मानें तो निर्माण कार्य में स्थानीय कंस्ट्रक्शन पार्टनर का साथ लिया जाएगा। वह पहले चरण में 4500 करोड़ के निवेश की उम्मीद कर रहे हैं। 1334 हेक्टेयर जमीन को डिवेलप किया जाएगा। एयरपोर्ट के सिटी साइड एरिया में 74 हेक्टेयर जमीन पर विकास होगा। एयरपोर्ट की जमीन पर मेट्रो स्टेशन भी बनेगा। अधिकारियों ने कहा है कि पहला रनवे से उड़ान शुरू होने के बाद 90 प्रतिशत घरेलू यात्री मिलेंगे। वह यात्रियों को कॉन्टैक्टलेस सर्विस देने की योजना बना रहे हैं। यात्रियों को एक फ्लाइट से दूसरी को पकड़ने के समय को भी कम करने पर फोकस किया जाएगा। इससे यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी।

7 गुना बढ़ेंगी आर्थिक गतिविधियां

सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने कहा है कि 1334 हेक्टेयर में जमीन पर पहले चरण में काम शुरू होगा। कुल 4 चरणों में काम होना है। परियोजना के कारण करीब 7 गुना आर्थिक गतिविधि बढ़ जाएंगी। बिल्डर्स की संस्था यूपी नरेडको के प्रेसिडेंट एवं सुपरटेक ग्रुप के चेयरमैन आरके अरोड़ा ने कहा है कि एयरपोर्ट के कारण यहां के रियल एस्टेट क्षेत्र में भी बूम आएगा। यहां घरों की मांग बढ़ेगी। साथ ही सुविधाएं भी बढ़ेंगी।

तीनों अथॉरिटी और प्रदेश को मालामाल करेगा हवाई अड्डा

■ **विस, ग्रेनो :** जेवर में बनने वाला यह एयरपोर्ट जिले की तीनों अथॉरिटी और प्रदेश सरकार के खजाने को मालामाल कर देगा। अधिकारियों को उम्मीद है कि इससे क्षेत्र में औद्योगिक निवेश और अधिक बढ़ेगा। इससे निवेशकों के लिए जेवर और यूपी वेस्ट डेस्टिनेशन बन जाएगा। यूपी के नागरिक उड्डयन विभाग एवं मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव एसपी गोयल ने बुधवार को कंसेशन अग्रीमेंट के दौरान इस परियोजना को आर्थिक मजबूती के लिए मील का पत्थर बताया है।

निविदा शर्तों के मुताबिक, छह साल तक कंपनी लाभांश नहीं देगी। सातवें साल से सरकार को राजस्व मिलने लगेगा। तकनीकी आर्थिक फिजबिलिटी रिपोर्ट के अनुसार सातवें साल में नियाल को इससे 1.06 लाख करोड़ रुपये का राजस्व मिल सकता है।

एसपी गोयल ने कहा कि इस एयरपोर्ट के निर्माण से राज्य में नौकरियां पैदा होंगी और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आने वाले समय में घरेलू व ग्लोबल निवेशकों के लिए यह राज्य सबसे चहेता डेस्टिनेशन बन जाएगा। सरकार इस परियोजना को पूरा कराने के लिए ज्यूरिख की टीम का पूरा सहयोग करेगी।

हवाई यात्रा से जुड़ेगा वेस्ट यूपी

नियाल एवं यमुना अथॉरिटी के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने कहा है कि यह विश्व स्तरीय एयरपोर्ट वेस्ट यूपी को घरेलू और इंटरनैशनल स्थानों से जोड़ देगा। साथ ही दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में हवाई यात्रा की क्षमता बढ़ जाएगी। बुधवार को हुए अग्रीमेंट समारोह के दौरान नागरिक उड्डयन विभाग के डायरेक्टर सुरेंद्र सिंह, नोएडा की सीईओ रितु माहेश्वरी, ग्रेनो के सीईओ नरेंद्र भूषण, नियाल के नोडल ऑफिसर शैलेंद्र भाटिया, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर किरन के जैन, लीगल हेड शोभित गुप्ता आदि मौजूद रहे।

अडानी को पछाड़ कर लिया था कॉन्ट्रैक्ट

ज्यूरिख ने अडानी जैसे दावेदारों को पछाड़ कर ये कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया है। अडानी इंटरप्राइजेस लिमिटेड ने 360 रुपये, दिल्ली इंटरनैशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने 351 रुपये और एनकोर्ज इंफ्रास्ट्रक्चर इनवेस्टमेंट होल्डिंग लिमिटेड ने 205 रुपये प्रति यात्री राजस्व देने का प्रस्ताव दिया था। 400.97 रुपये प्रति यात्री राजस्व देने का प्रस्ताव देकर ज्यूरिख ने 29 नवंबर 2019 को ये कॉन्ट्रैक्ट पा लिया। ये कंपनी एयरपोर्ट के निर्माण पर 29560 करोड़ रुपये खर्च करेगी।